



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 40]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 4, 1980 (आश्विन 12, 1902)

No. 40]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 4, 1980 (ASVINA 12, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

### विषय-सूची

पृष्ठ

भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	563	क्रिए गए साधारण नियम (जिसमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं) . . . . .	2125
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	1257	भाग II—खण्ड 3—उप खण्ड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं . . . . .	3485
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	19	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश . . . . .	349
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	1091	भाग III—खण्ड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं . . . . .	10627
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम . . . . .	--	भाग III—खण्ड 2—एकल कार्यलय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस . . . . .	491
भाग II—खण्ड 2—विधेयक और विधेयक संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्टें . . . . .	--	भाग III—खण्ड 3—मुख्य प्रायुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं . . . . .	63
भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी	--	भाग III—खण्ड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं . . . . .	3881
		भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस . . . . .	169

\*पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई।

## CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .. .. .	563	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .. .. .	1257	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence .. .. .	19	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence .. .. .	1091	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India .. .. .	10627
PART II—SECTION 1.—Act, Ordinances and Regulations. .. .. .	—	PART III—SECTION 2.—Notification and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	491
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committee on Bills .. .. .	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners .. .. .	63
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India		PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies .. .. .	3881
		PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	169

Division. JOD	
Acc. No.	
Date of	
Call No	
Processed	Checked
Date of Transfer	

## भाग I—खण्ड 1

## PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

## राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 सितम्बर 1980

सं. 74-प्रेज/80.--राष्ट्रपति तमिल नाडु पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:--

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री नेरुमानी पाकियम रिचर्ड (स्वर्गीय)  
पुलिस उप निरीक्षक,  
रामनाथपुरम् (पूर्व),  
तमिल नाडु ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

13 सितम्बर, 1978 को मेलासाक्कुलम के रामु थेवर की पत्नी कुमारायी ने पुलिस को सूचित किया कि एक भूतपूर्व सैनिक पंडी थेवर और एक अन्य वालिविल्लन थेवर ने उसका शील भंग किया । जांच पड़ताल के दौरान वालिविल्लन थेवर को गिरफ्तार कर लिया गया किन्तु जब उसको थाने ले जाया जा रहा था तो दूसरे अभियुक्त पंडी थेवर ने उनको रोका और भरी हूँह रिवाल्वर से डराया और अपने सह अपराधी को छोड़ा लिया । एक पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में एक पुलिस दल को जिसमें पुलिस उप निरीक्षक श्री नेरुमानी पाकियम रिचर्ड, एक सहायक उप-निरीक्षक, दो हंड कॉन्स्टेबल और तीन कांस्टेबल थे, दो अभियुक्तों की गिरफ्तार करने के लिए तैनात किया गया । लगभग 20.45 बजे उन्होंने अभियुक्त पंडी थेवर को उसके निवास स्थान पर देखा, जो उस समय अपने घर के बरामदे में चारपाई पर बैठा था । पुलिस निरीक्षक और श्री रिचर्ड उसके पास पहुंचे और उसको कहा कि उसे गिरफ्तार किया जाता है । किन्तु अभियुक्त ने आत्मसमर्पण करने के बजाय तकिये के नीचे से अपना लाइसेंस वाला रिवाल्वर निकाला और पुलिस निरीक्षक पर गोली चलाई । पुलिस निरीक्षक सुरक्षा के लिए भागे और पुलिस दल के अन्य सदस्य भी कुछ दूर पीछे हट गये । किन्तु श्री रिचर्ड डरे नहीं और उसको काबू में करने और निरास्त्र करने की कोशिश में अकेले ही अभियुक्त को नजदीक पहुंचे । वे अभियुक्त पर भपट्टे किन्तु अभियुक्त ने उनकी छाती में गोली मार दी जिसके परिणाम-स्वरूप श्री रिचर्ड की मृत्यु हो गई ।

इस कार्रवाई में श्री नेरुमानी पाकियम रिचर्ड ने अद्वितीय साहस, वीरता, पहलवाक्ति एवं उच्च कौटिक की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया ।

2. यह पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अंतर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 13 सितम्बर, 1978 से दिया जाएगा ।

सं. 75-प्रेज/80.--राष्ट्रपति सीमा सुरक्षा दल के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:--

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री बद्री नाथ मंडल,  
कॉन्स्टेबल सं. 66711282,  
71 ब्यालियन,  
सीमा सुरक्षा दल ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

7/8 अक्टूबर, 1978 के बीच की रात्री को बी. ओ. पी. मालूपाड़ा के सीमा सुरक्षा दल के एक टुकड़ी जिसके श्री बद्री नाथ मंडल एक सदस्य थे, को एक नाव में मालूपाड़ा गांव के आस पास के क्षेत्र की गश्त लगाने के लिए तैनात किया गया । 23.30 बजे के लगभग 25 आतंकवादियों का एक गिराहू तीन स्वदेशी नावों में आया और डकैती डालने के विचार से उसने हूडपाड़ा गांव के दो ग्रामीणों के मकानों पर छापा मारा । सीमा सुरक्षा दल की टुकड़ी ने, जो क्षेत्र की गश्त लगा रही थी, ग्रामीणों के शोर को सुना और तुरंत घटनास्थल पर पहुंची । सीमा सुरक्षा दल की टुकड़ी ने आतंकवादियों को तलवारा लेकिन उन्होंने सीमा सुरक्षा दल की टुकड़ी पर घातक हथियारों से हमला कर दिया । एक डकैत ने तलवार से कॉन्स्टेबल श्री बद्रीनाथ मंडल पर चोट करने का प्रयत्न किया लेकिन श्री मंडल ने अपराधी को धक्का दिया और हाथापाई के दौरान तलवार के वार का अपनी राईफल की मूठ से रोका । अचानक दूसरे डकैत ने श्री मंडल पर लाठी से प्रहार किया जिसके परिणामस्वरूप उस के बांहने हाथ पर चोट आयी । इस बीच प्रथम आक्रमणकारी ने उन्हें तलवार से काटने का प्रयत्न किया लेकिन श्री मंडल ने अपनी राईफल से डकैत पर एक गोली चलायी और उसे घटनास्थल पर ही मार के घाट उतार दिया । गोली की आवाज सुनकर डकैतों ने स्वदेशी नावों में भारत-बंगलादेश सीमा के पार भागना शुरू कर दिया । उन्होंने डाकू के शव को भी ले जाने का प्रयत्न किया लेकिन अपने जीवन की सुरक्षा की परवा न करते हुए श्री मंडल निर्भीक होकर उनसे लड़ें और डकैत के शव को उन्हें नहीं ले जाने दिया ।

इस मूठभेड़ में श्री बद्रीनाथ मंडल ने उत्कृष्ट वीरता, अवम्य साहस, सुभद्रा, दृढ़निश्चय एवं उच्च कौटिक की कर्तव्य भावना का परिचय दिया ।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अंतर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 7 अक्टूबर, 1978 से दिया जाएगा ।

सं. 76-प्रेज/80.--राष्ट्रपति दिल्ली पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:--

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री सत्यवीर सिंह,

पुलिस उप-निरीक्षक सं. डी/1295,

दिल्ली।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

19 अक्टूबर, 1978 को थाना पहाड़गंज में सूचना प्राप्त हुई कि दो युवक आततायी एक "यजवी" मोटर-साइकिल पर सवार थे और उन्होंने दिल्ली और नई दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में करवा-चाँद मनाने के लिए जाती हुई महिलाओं को 17-18 सोने की जंजीरें छीन ली हैं। पुलिस उप-निरीक्षक श्री सत्यवीर सिंह जब वे गश्त पर थे तो उन्होंने उक्त मोटर-साइकिल का चूना मंडी पहाड़गंज में एक एकान्त स्थान में खड़ी देखा। श्री सत्यवीर सिंह, छोटें से पुलिस दल को जो उनके साथ था, भिन्न-भिन्न स्थानों पर तैनात करने के बाद सावधानीपूर्वक रूप से उस मोटर साइकिल के पास इस उम्मीद से आकर खड़े हो गये कि अपराधी मोटर साइकिल को, लेने के लिए वापस आएंगे। उन्होंने लगभग 3 घंटे तक प्रतीक्षा की। लगभग 9.45 बजे दो जवान व्यक्ति जो अच्छी पोशाक पहने हुए थे वहाँ आये। एक ने पैंट की जेब में से चाबी निकाली और मोटर-साइकिल का ताला खोला और उस पर बैठ गया जबकि उसका साथी मोटर साइकिल की पिछली सीट पर बैठ गया। जैसे ही उन्होंने मोटर-साइकिल को स्टार्ट करने की चेष्टा की, श्री सत्यवीर सिंह उनके सामने आये, उन्हें अपना परिचय दिया और आत्म समर्पण करने को ललकारा। लेकिन अपराधी चेतावनी की परवाह न करते हुए मोटर साइकिल को स्टार्ट करते रहे। श्री सत्यवीर सिंह अपराधियों पर भपट्टे और उन्हें पकड़ दिया। पिछली सीट पर सवार व्यक्ति ने अपनी पिस्तौल निकाली और श्री सत्यवीर सिंह पर गोली चलाई। सभागवश गोली नहीं चली। इसके बाद श्री सत्यवीर सिंह की सशस्त्र अपराधियों से हाथापाई हुई और पुलिस दल के अन्य सदस्यों की मदद से उन पर काबू पा लिया गया। बाद में मालूम हुआ कि दोनों अपराधी डकैती, जंजीर छीनने और चोरी आदि के 64 मामलों में सम्मिलित हैं।

इस कार्रवाई में श्री सत्यवीर सिंह ने उत्कृष्ट वीरता, साहस, नेतृत्व तथा कौशल की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 19 अक्टूबर, 1978 से दिया जाएगा।

सं 77-प्रेज/80.--राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:--

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री कृष्ण मोहन सिंह चौहान,

पुलिस उप-निरीक्षक,

फतेहगढ़,

उत्तर प्रदेश।

श्री विष्णु दयाल तिवारी, (स्वगीर्ण)

पुलिस उप निरीक्षक, (स्थानापन्न)

फतेहगढ़,

उत्तर प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

28 नवम्बर, 1978 को 13.30 बजे पुलिस को सूचना मिली कि शफिया का गिराह जिसने अनेक डकैतियाँ डाली हैं, गांव बुन्दा-बुजुर्ग के नाथू बंहेन के मकान में उपस्थित है और वह जगदीश नामक व्यक्ति के घर में डाका डालने और हत्या करने की तैयारी कर रहा है। गुरुसहायगंज थाने के थानेदार श्री कृष्ण मोहन सिंह चौहान श्री राजपाल सिंह उप निरीक्षक तथा विष्णु दयाल तिवारी उप निरीक्षक एवं उपलब्ध पुलिस दल के साथ गांव को खाना हुए। गांव पहुँचने पर पुलिस दल को दो घरों में विभाजित कर दिया गया जिनमें से एक का नेतृत्व श्री कृष्ण मोहन सिंह चौहान ने किया और दूसरे दल का नेतृत्व श्री राजपाल सिंह ने किया। प्रथम पुलिस दल को नाथू बंहेन के घर का घेराव करना था और दूसरे दल को मकान में घुसने के लिए दीवारों को फाँदना था, अगर जरूरत पड़े। प्रथम दल नाथू बंहेन के मकान के मुख्य दरवाजे पर पहुँचा। जब डकैतों ने मकान से बाहर आना शुरू किया तो श्री कृष्ण मोहन सिंह चौहान ने उन्हें ललकारा और चेतावनी दी कि पुलिस ने उन्हें घेर लिया है और वे आत्मसमर्पण कर दें। डकैतों ने पुलिस दल पर गोलियाँ चलाई। डकैत तुरन्त घर के अन्दर वापस चले गए और अन्दर से गोलियाँ चलानी शुरू कीं। यह डर था कि अधिकांश डकैत पड़ोस के मकानों से भागने की चेष्टा कर सकते हैं। श्री विष्णु दयाल तिवारी खतरे की परवाह न करते हुए डकैतों की ओर बढ़े और अपराधियों को घेराव दी। उन पर गोलियाँ की बाँछार की गई पर वे अपने जीवन की परवाह न करते हुए आगे बढ़ते रहे। अन्ततः उनके सिर पर एक गोली लगी और वे गिर गए। तब एक डकैत अपने छिपने के स्थान से बाहर आया और उसने श्री तिवारी की राइफल को ले जाने की कोशिश की तो श्री कृष्ण मोहन सिंह चौहान ने अपनी राइफल से गोली चलायी जो डकैत की बायीं भुजा पर लगी। वे तुरन्त डकैतों की तरफ भागे और उन्होंने श्री तिवारी की राइफल को वापस ले लिया। उसी समय दूसरे डकैत ने श्री कृष्ण मोहन सिंह चौहान पर गोली चलाई और वे भी जख्मी हो गए। इस बीच दूसरा पुलिस दल भी सक्रिय हो गया और उन्होंने डाकूओं को ललकारा जिन्होंने भाग कर बच निकलने की जी जान से कोशिश की। दो डाकूओं को गोली से उड़ा दिया गया। श्री विष्णु दयाल तिवारी एवं श्री कृष्ण मोहन सिंह चौहान को अस्पताल भेजा गया। परन्तु श्री विष्णु दयाल तिवारी की धावों के कारण 8 दिसम्बर, 1978 को मृत्यु हो गई।

इस मूठभेड़ में श्री कृष्ण मोहन सिंह चौहान और श्री विष्णु दयाल तिवारी ने उत्कृष्ट वीरता असाधारण साहस, पहलशीलता एवं उच्च कौशल की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया

2. ये पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 28 नवम्बर, 1978 से दिया जाएगा।

स. नीलकण्ठन,

राष्ट्रपति का उप सचिव।

वित्त, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय  
(कम्पनी कार्य विभाग)  
(कम्पनी विधि बोर्ड)

नई दिल्ली-1, दिनांक 11 सितम्बर 1980

आदेश

सं० 27 (26)/80-सी० एल०-2:—कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209-क की उप-धारा (1) के खंड (ii) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा उक्त धारा 209-क के उद्देश्यों के लिये निम्नलिखित अधिकारियों को प्राधिकृत करती है :—

1. श्री बी० गोपाला कृष्णन, धरिष्ठ लागत लेखा अधिकारी ।
2. श्री पी० सी० गुप्ता, लागत लेखा अधिकारी ।
3. श्री एन० एम० पोन्नाम्मी, सहायक निरीक्षण अधिकारी ।

सु० बलरामन, उप स च

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

नई दिल्ली-110029, दिनांक 6 सितम्बर 1980

संकल्प

सं० 1/4/80-पर्या०:—इस विभाग के 29-2-1980 के समसंख्यक संकल्प के पैरा 5, जिसके अनुसार पर्यावरणीय प्रतिरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए विधायी उपायों और प्रशासनिक तंत्र की सिफारिश करने के लिए समिति का संघटन किया गया है, के अनुसरण में भारत सरकार ने 1 मई 1980 से श्री एन० डी० जयाल को भारत सरकार के संयुक्त सचिव के रैंक में उक्त समिति का संयोजक नियुक्त किया है ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति समिति के सभी सदस्यों, सम्बन्धित विभागों/संगठनों को प्रेषित की जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सामान्य जानकारी के लिए भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

पी० के० रामानुजम, संयुक्त सचिव

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय  
(परिवार कल्याण विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 15 सितम्बर 1980

सं० एल०-14011/3/80-ए० पी०:—आंध्र प्रदेश में शिशु देखरेख परियोजना सम्बन्धी नीति परक और तकनीकी मामलों के बारे में सलाह देने के लिये भारतीय सलाहकार बोर्ड के गठन के बारे में इस मंत्रालय की 23 सितम्बर, 1978 की अधिसूचना सं० एल०-14011/2/78-ए० पी० का अधिभरण करते हुए इस सलाहकार बोर्ड को पांच वर्षों की अवधि के लिये पुनर्गठित करने का निर्णय किया गया है जो कि इस प्रकार है :—

1. आंध्र प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव अध्यक्ष
2. अपर सचिव एवं आयुषत, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार अथवा उनका मनोनीत अधिकारी सदस्य
3. सचिव, आंध्र प्रदेश सरकार प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग सदस्य
4. सचिव, आंध्र प्रदेश सरकार आवासन, नगर प्रशासन तथा नगर विकास विभाग सदस्य
5. सचिव, आंध्र प्रदेश सरकार चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग सदस्य

6. सचिव, आंध्र प्रदेश सरकार श्रम, रोजगार तथा तकनीकी शिक्षा विभाग सदस्य
7. सचिव, आंध्र प्रदेश सरकार, पंचायत राज विभाग सदस्य
8. कलेक्टर, हैदराबाद जिला सदस्य
9. कलेक्टर, जिला रंगा रेड्डी सदस्य
10. निदेशक, राष्ट्रीय पोषण संस्थान हैदराबाद सदस्य
11. महानिदेशक, राष्ट्रीय ग्राम विकास संस्थान, राजेन्द्रनगर सदस्य
12. अध्यक्ष, भारतीय बाल कल्याण परिषद, नई दिल्ली सदस्य
13. निदेशक (अनुसंधान) समाज कल्याण विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली सदस्य
14. विशेष अधिकारी, हैदराबाद, नगर निगम, हैदराबाद सदस्य
15. श्रीमती बहामुद्दीन अहमद, अध्यक्ष, भारतीय ग्रामीण महिला संघ, हैदराबाद सदस्य
16. श्रीमती जे० कुमुदनी बेबी, विधान परिषद सदस्य (आंध्र प्रदेश), शिवानन्दा गुहा, 77 बेगमपेट, हैदराबाद सदस्य
17. श्रीमती बी० रामाराव, विधान परिषद सदस्य, (आंध्र प्रदेश), 5-स्पेशल बी० ओल्ड, एम० एल० ए० क्वार्टर्स, हैदराबाद सदस्य
18. श्री बी० लक्ष्मण, 8-3-1107, केशवनगर, हैदराबाद सदस्य
19. निदेशक, इण्डो-इण्ड प्रोजेक्ट, हैदराबाद सदस्य-सचिव

जे० एम० कंग, उप सचिव

नौवहन और परिवहन मंत्रालय  
(पत्तन पक्ष)

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

संकल्प

सं० पी० डब्ल्यू०/पी०टी०एम०-4/77:—राष्ट्रीय बन्दरगाह बोर्ड के पुनर्गठन से संबंधित नौवहन और परिवहन मंत्रालय के संकल्प संख्या पी०टी० एच०-4/77, दिनांक 6 मई, 1978 में 'नौवहन और परिवहन मंत्री, भारत सरकार' शब्दों के बाव बोर्ड के उपाध्यक्ष के रूप में नोबे लिखा नाम जोड़ा जाए :—

"उपाध्यक्ष,  
राज्य मंत्री, नौवहन और परिवहन मंत्रालय"

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति बोर्ड के सदस्यों, राष्ट्रपति के सचिव, प्रधानमंत्री के सचिवालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, योजना आयोग, भारत सरकार के मंत्रालयों/विभागों और संबंधित राज्य सरकारों को भेजी जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प सर्वसाधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

दिनेश कुमार जैन, संयुक्त सचिव

## श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1980

सं० क्र०-10011/3/80-इल्यु० ई०—केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के नियमों और विनियमों के नियम 4 (iii) के अनुसरण में, भारत सरकार श्री भार० बन्नीनाथ, श्रमायुक्त तथा पवेन सचिव (श्रम), दिल्ली प्रशासन, को श्री एस० एल० चोपड़ा द्वारा श्रमायुक्त के पद का कार्य-भार छोड़ने के परिणामस्वरूप, इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से 28 मार्च, 1981 तक केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड में दिल्ली-संघ-राज्य के प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त करती है।

2. तदनुसार, श्रम तथा रोजगार मंत्रालय की समय-समय पर यथा-संशोधित अधिसूचना संख्या ई० एंड पी० 4(24)/58, तारीख 12 दिसम्बर

1958/29 अग्रहायण 1880 में निम्नलिखित परिवर्तन किए जाएंगे :—

वर्तमान प्रविष्टि, अर्थात् :—

“7. श्री एस० एल० चोपड़ा,  
श्रम/युक्त, तथा पवेन सचिव (श्रम),  
दिल्ली प्रशासन, दिल्ली।”

के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“7. श्री भार० बन्नीनाथ,  
श्रमायुक्त तथा पवेन सचिव (श्रम),  
दिल्ली प्रशासन, दिल्ली।”

एस० एल० सहस्रानामन, उप सचिव

## PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 18th September 1980

No. 74 Pres./80.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Tamil Nadu Police :—

*Name and rank of the officer*

Shri Nesamani Packiam Richard (Deceased)  
Sub-Inspector of Police,  
Ramanathapuram (East),  
Tamil Nadu.

*Statement of services for which the decoration has been awarded.*

On the 13th September, 1978 at 17.30 hours, it was reported to the Police by one Kumarayec wife of Ramu Thevar of Melasakkulam that her modesty had been outraged by one Pandi Thevar, an ex-Army man and another Valivittan Thevar. During the course of the investigation Valivittan Thevar was arrested but while he was being taken to the Police Station, the second accused Pandi Thevar intercepted them and threatened with a loaded revolver. He rescued the co-accused. At this a police party headed by an Inspector of Police Shri Chinna Thambi and consisting of Shri Nesamani Packiam Richard, Sub-Inspector of Police, one Assistant Sub-Inspector of Police, two Head Constables and three Constables was deputed to secure the arrest of the two accused. At about 20.45 hours, they located the accused Pandi Thevar at his residence who was then seated on a cot in the verandah of his house. The Inspector of Police and Shri Richard approached him and told him that he was under arrest. However, instead of surrendering, the accused took out his licenced revolver from under the pillow and fired a shot at the Inspector of Police. The Inspector of Police ran for safety and other members of the police party withdrew some distance. However, Shri Richard remained undeterred and approached the accused single handed in a bid to overpower and disarm him. He grappled with the accused but the latter shot him in the chest, as a result of which Shri Richard was killed.

In this action Shri Nesamani Packiam Richard exhibited extraordinary courage, gallantry, initiative and a high sense of devotion to duty.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 3, with effect from the 13th September, 1978.

No. 75-Pres./80.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Border Security Force :—

*Name and rank of the officer*

Shri Badri Nath Mondal,  
Constable No. 66711282,  
71 Battalion,  
Border Security Force.

*Statement of services for which the decoration has been awarded*

On the night intervening 7th/8th October, 1978, a Border Security Force party from BOP Maluapara of which Shri Badri Nath Mondal was a member, was detailed to patrol

the flooded area around Maluapara village in a boat. At about 23.30 hours, a gang of about 25 miscreants came in three country-boats and raided the houses of two villagers of Hudapara village with a view to commit dacoity. The Border Security Force party, which was patrolling the area, heard the alarm raised by the villagers and immediately rushed to the place of occurrence. The party challenged the miscreants but the latter attacked them with deadly weapons. One of the dacoits made an attempt to strike at Shri Badri Nath Mondal, Constable, with a sword but Shri Mondal dodged the criminal and prevented the stroke of the sword on the butt of his rifle during a hand to hand encounter. Suddenly, another dacoit attacked Shri Mondal with a Lathi, as a result of which he sustained injury on his right hand. In the meantime, the first assailant tried to cut him off with the sword but Shri Mondal fired a round from his rifle at the dacoit and killed him on the spot. Hearing the firing, the dacoits started fleeing away across the Indo-Bangladesh Border in country boats. They attempted to take away the dead body of the dacoit but Shri Mondal without caring for his personal safety fought with them undauntedly and did not allow them to take away the dead body of the dacoit.

In this encounter Shri Badri Nath Mondal exhibited conspicuous gallantry, exceptional courage, presence of mind, determination and devotion to duty of a very high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 3, with effect from the 7th October, 1978.

No. 76-Pers./80.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Delhi Police :—

*Name and rank of the officer*

Shri Satyavir Singh,  
Sub-Inspector of Police No. D/1295,  
Delhi.

*Statement of Services for which the Decoration has been Awarded.*

On the 19th October, 1978, information was received at Paharganj Police Station, Delhi, that two young desperadoes riding on a motorcycle "Yezdi" had in various areas of Delhi and New Delhi snatched 17-18 gold chains worn by the ladies, while they were on their way in connection with "Karva Chauth" celebrations. Shri Satyavir Singh, Sub-Inspector of Police, while on patrol duty, detected the motorcycle parked at a remote place in Chuna Mandi, Paharganj. After briefing the small police party, which was accompanying him and deploying them at various places, Shri Satyavir Singh positioned himself in plain clothes near the motorcycle in the hope that the criminals would return to take away the motorcycle. He waited for nearly three hours and at about 9.45 P.M., two well dressed youngmen were seen coming near the motorcycle. One of them took out a key from the pocket of his pant, unlocked the motorcycle and sat on it, and the other sat on the pillion of the motorcycle. As they tried to start the motorcycle Shri Satyavir Singh came in front of them disclosed his identity and challenged them to surrender. But in disregard of the warning the criminal continued to start the motorcycle. At this Shri Satyavir Singh pounced upon the criminals and caught hold of them. The pillion rider drew

out, a revolver and shot at Shri Satyavir Singh. Fortunately the bullet did not go off. Shri Satyavir Singh then had a scuffle with the armed criminals and with the help of the other members of the police party overpowered them. Later on, it was found that both the criminals were involved in as many as 64 cases of dacoity, chain snatching, theft etc.

In this action Shri Satyavir Singh exhibited conspicuous gallantry, courage, leadership and devotion to duty of a very high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 19th October, 1978.

No. 77-Pers./80.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Uttar Pradesh Police :—

*Names and Ranks of the officers*

Shri Krishna Mohan Singh Chauhan, (Deceased)  
Sub-Inspector of Police,  
Fatehgarh,  
Uttar Pradesh.

Shri Vishnu Dayal Tewari, (Officiating)  
Sub-Inspector of Police,  
Fatehgarh,  
Uttar Pradesh.

*Statement of Services for which the Decoration has been Awarded.*

On the 28th November, 1978, at about 13.30 hours information was received by the police that the gang of Shafia, who had committed a number of dacoities, was present in the house of Nathu Behna of village Dundwa-Buzurg and that they were making preparations for committing dacoity and murder in the house of one Jagdish. Immediately Station Officer, Police Station Gursahaiganj, Shri Krishna Mohan Singh Chauhan alongwith Shri Rajpal Singh, Sub-Inspector and Shri Vishnu Dayal Tewari, Sub-Inspector of Police and the available police force proceeded to the village. On reaching the village, the police party was divided into two groups, one of which was headed by Shri Krishna Mohan Singh Chauhan and the other was headed by Shri Rajpal Singh. While the first party was to surround the house of Nathu Behna, the second party was to scale over the walls to enter the house if needed. The first party approached the main door of the house of Nathu Behna. When the dacoits started coming out of the house Shri Krishna Mohan Singh Chauhan warned them that they had been surrounded by the Police and challenged them to surrender. The dacoits opened fire on the police party who returned the fire. The dacoits managed to retreat in the house and started firing from inside. It was feared that most of the dacoits might make an attempt to escape through neighbouring houses. Shri Vishnu Dayal Tewari in disregard of the risk involved to himself, advanced towards the dacoits and challenged the criminals. He was fired upon but without caring for his own life, he continued to advance. He was hit by a bullet on his head and fell down. One of the dacoits then rushed out of his hide-out and tried to take away the rifle of Shri Tewari but Shri Krishna Mohan Singh Chauhan opened fire from his rifle and hit the dacoit in his left arm. He also rushed towards the dacoits and got back the rifle of Shri Tewari. At the same time, another dacoit fired at Shri Krishna Mohan Singh Chauhan who was also injured. In the meantime, the other police party also became active and challenged the dacoits, who rushed out in a desperate bid to escape. Two of the dacoits were shot dead. Shri Vishnu Dayal Tewari who alongwith Shri Krishna Mohan Chauhan was rushed to the Hospital succumbed to this injuries on the 8th December, 1978.

In this encounter Shri Krishna Mohan Singh Chauhan and Shri Vishnu Dayal Tewari exhibited conspicuous gallantry, exceptional courage, initiative and devotion to duty of a very high order.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 28th November, 1978.

S. NILAKANTAN  
Dy. Secy. to the President

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS  
DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS  
(COMPANY LAW BOARD)

New Delhi, the 11th September 1980

ORDER

No. 27(26)80-CL-II.—In pursuance of clause (ii) of sub-section (1) of Section 209A of the Companies Act, 1956 (I of 1956), the Central Government hereby authorises the following officers of the Government of India, in the Department of Company Affairs for the purposes of the said Section 209A :—

1. Shri V. Gopalakrishnan, Senior Accounts Officer.
  2. Shri P. C. Gupta, Cost Accounts Officer.
  3. Shri N. S. Ponnunambi, Assistant Inspecting Officer.
- S. BALARAMAN, Under Secy.

DEPT. OF SCIENCE & TECHNOLOGY

New Delhi-110029, the 6th September 1980

RESOLUTION

No. 1/4/80-Env.—In pursuance of para 5 of this Department's Resolution of even number dated 29-2-1980 constituting a Committee for recommending legislative measures and administrative machinery for ensuring environmental protection, the Government of India have appointed Shri N. D. Jayal, as the Convenor of the said Committee with effect from the 1st May, 1980, in the rank of Joint Secretary to Govt. of India.

ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to all the Members of the Committee Departments/Organisation concerned.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

P. K. RAMANUJAM, Jt. Secy.

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE  
(DEPARTMENT OF WELFARE)

New Delhi, the 15th September 1980

No. L.14011/3/80-AP.—In supersession of this Ministry's notification No. L.14011/2/78-AP, dated the 23rd September 1978 relating to the constitution of the Indian Advisory Board to advise on policy and technical matters relating to the Child Care Project in Andhra Pradesh, it has been decided to re-constitute the Advisory Board for a period of five years as indicated below :—

1. The Chief Secretary to the Government of Andhra Pradesh. Chairman.
2. The Additional Secretary and Commissioner, Ministry of Health and Family Welfare, Government of India or her nominee. Member
3. The Secretary to the Government of Andhra Pradesh, Primary and Secondary Education Department. Member.
4. The Secretary to the Government of Andhra Pradesh, Housing, Municipal Administration and Urban Development Department. Member.
5. The Secretary to the Government of Andhra Pradesh, Medical and Health Department. Member.
6. The Secretary to the Government of Andhra Pradesh, Labour, Employment and Technical Education Department. Member.
7. The Secretary to the Government of Andhra Pradesh, Panchayat Raj Department. Member.
8. The Collector, Hyderabad district. Member.
9. The Collector, Ranga Reddy District. Member.
10. The Director, National Institute of Nutrition, Hyderabad. Member.
11. The Director General, National Institute of Rural Development, Rajendranagar. Member.

12. The President, Indian Council for Child Welfare, New Delhi. Member.
13. The Director (Research), Department of Social Welfare, Government of India, New Delhi. Member.
14. The Special Officer, Municipal Corporation of Hyderabad, Hyderabad. Member.
15. Mrs. Wahabuddin Ahmed, Chairman, Bharat Grameena Mahila Sangh, Hyderabad. Member.
16. Smt. J. Kumidini Devi, M.L.C. (AP), Sivanandagruha, 77 Begumpet, Hyderabad. Member.
17. Shri V. Rama Rao, M.L.C. (AP), 5, Special B. Old M.L.A. Quarters, Hyderabad. Member.
18. Shri B. Laxman, 8-3-1107, Keshavnagar, Hyderabad. Member.
19. The Director, Indo-Dutch Project, Hyderabad. Member-Secretary.

J. S. KANG, Dy. Secy.

#### MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (PORTS WING)

New Delhi, the 8th September 1980

##### RESOLUTION

No. PW/PTH-4/77.—In the Ministry of Shipping and Transport Resolution No. PTH-4/77, dated the 6th May, 1978, regarding re-constitution of the National Harbour Board, the following name may be inserted after the words "Minister for Shipping and Transport, Government of India" as Vice Chairman of the Board :—

##### VICE CHAIRMAN

Minister of State, Ministry of Shipping and Transport.

##### ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to the members of the Board, Secretary to the President,

Prime Minister's Secretariat, Cabinet Secretariat, Planning Commission, Ministries/Departments of the Government of India and the State Governments concerned.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

D. K. JAIN, Jt. Secy.

#### MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 10th September 1980

No. Q-16011/3/80-WE.—In Pursuance of Rule 4(iii) of the Rules and Regulations of the Central Board for Workers' Education, the Government of India hereby appoint Shri R. Badrinath, Labour Commissioner & Ex-officio Secretary (Labour), Delhi Administration, as representative of the Union Territory of Delhi, on the Central Board for Workers' Education, with effect from the issue of this Notification upto 28th March, 1981, consequent upon relinquishment of charge of the post of Labour Commissioner by Shri S. L. Chopra.

2. The following changes will be made accordingly in the Ministry of Labour and Employment Notification No. E&P. 4(24)/58, dated the 12th December, 1958/Agrahayana 29, 1880 as amended from time to time.

For the existing entries viz—

"7. Shri S. L. Chopra,  
Labour Commissioner & Ex-officio Secretary  
(Labour), Delhi Administration,  
Delhi."

the following entries shall be substituted viz :—

"7. Shri R. Badrinath,  
Labour Commissioner and  
Ex-Officio Secretary (Labour),  
Delhi Administration,  
Delhi."

S. S. SAHASRANAMAN, Dy. Secy